आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 13.05.2025
समय 1305

**मुख्य समाचार :–**

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदमपुर एयरबेस पर भारतीय वायुसेना के जांबाज़ योद्धाओं से मुलाकात की।
- प्रधानमंत्री ने कहा– दुनिया ने भारत की क्षमताओं को देख लिया है और अब आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा।
- प्रदेश में चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह, हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन धामों के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।
- केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 12वीं के नतीजे घोषित, इस वर्ष 88 दशमलव 3–9 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए।

## प्रधानमंत्री आदमपुर एयरबेस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज आदमपुर एयरबेस पर भारतीय वायुसेना के जांबाज़ योद्धाओं से मुलाकात की। देश की रक्षा में दिन–रात तत्पर इन वीरों के अद्वितीय समर्पण और साहस को प्रधानमंत्री ने सराहा और उनका उत्साहवर्धन किया। प्रधानमंत्री ने बहादुर जवानों से बातचीत भी की।

इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में सुरक्षा हालात की समीक्षा कर रहे हैं। बैठक में चीफ़ ऑफ़ डिफ़ेंस स्टाफ़, रक्षा सचिव और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद है।

## प्रधानमंत्री संबोधन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद आतंकवाद से मुकाबले के लिए भारत की अटूट वचनबद्धता का उल्लेख किया है। प्रधानमंत्री ने कल शाम राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया भारत की क्षमताओं को देख चुकी है, अब यह स्पष्ट हो चुका है कि आतंकवादी अब बख्शे नहीं जाएंगे। श्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवादी गुटों और उनके समर्थकों को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत और उसके नागरिकों पर होने वाले किसी हमले का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत पाकिस्तान से आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर– पी.ओ.के. को छोड़कर किसी अन्य मुद्दे पर बातचीत नहीं करेगा।

प्रधानमंत्री ने भारत के दृढ़ रुख की पुष्टि करते हुए कहा कि आतंक और बातचीत एक साथ नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर को अभी अस्थायी रूप से स्थगित किया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापेंगे कि आतंकवाद को लेकर वह क्या रवैया अपनाता है।

श्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक नाम नहीं है, ये देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है।

प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि ऑपरेशन सिंदूर आतंक के विरूद्ध लड़ाई में भारत की स्थापित नीति है।

## उत्तराखंड दूसरा स्थान

उत्तराखंड ने वित्तीय प्रबंधन और सुशासन के क्षेत्र में एक और शानदार उपलब्धि हासिल की है। देश की प्रतिष्ठित बिजनेस समाचार वेबसाइट फाइनेंशियल एक्सप्रेस की ताजा रैंकिंग के अनुसार, छोटे राज्यों की वित्तीय स्थिति के मामले में उत्तराखंड ने गोवा के बाद दूसरा स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि राज्य के मजबूत वित्तीय अनुशासन, पारदर्शी प्रशासन और विकासोन्मुख नीतियों का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि उत्तराखंड ने राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने, स्वयं के कर राजस्व में वृद्धि, बकाया ऋण को संतुलित करने और सरकारी गारंटियों के प्रबंधन में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों में बेहतर निवेश ने भी राज्य की रैंकिंग को और मजबूती प्रदान की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसे उत्तराखंड के लिए गर्व का क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि छोटे राज्यों में वित्तीय प्रदर्शन में दूसरा स्थान हासिल करना उत्तराखंड सरकार की नीतियों, कड़ी मेहनत और जनता के विश्वास का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार, उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य, उत्तराखंड को ऐसा राज्य बनाना है, जहां हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं और अवसर उपलब्ध हों।

## चारधाम यात्रा

प्रदेश में चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आ रहा है। हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु चारों धाम के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं, आस्था और भक्ति के साथ बाबा केदार के भक्त गौरीकुंड–केदारनाथ पैदल मार्ग पर प्रकृति का दीदार भी कर रहे हैं। यहां सघन वन क्षेत्र और पहाड़ियों से गिरते झरने यात्रियों को आनंदित कर रहे हैं। साथ ही हिमखंड के बीच से गुजरते हुए तीर्थयात्रियों का उल्लास देखते ही बन रहा है। गौरीकुंड से जंगलचट्टी के बीच चीरबासा हेलिपैड से मंदाकिनी नदी के दूसरी तरफ सघन वन क्षेत्र और संकरी घाटी से बहती नदी के नजारे तीर्थयात्रियों को आकर्षित कर रहे हैं। वहीं, रामबाड़ा से छानीकैंप के बीच बाबा केदार के भक्तों को तीन स्थानों पर विशालकाय हिमखंडों के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। टीएफटी चट्टी, भैरव गदेरा और कुबेर गदेरा में अब भी 25 फीट से अधिक लंबे हिमखंड फैले हुए हुए हैं, जिन्हें काटकर चार फीट से अधिक चौड़ा रास्ता बनाया गया है।

## मुख्यमंत्री अल्मोड़ा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, अल्मोड़ा जिले के लमगड़ा क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध डोल आश्रम में श्री पीठम स्थापना महोत्सव में विधिवत शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने 1100 कन्याओं का पूजन कर मां राजराजेश्वरी की पूजा की और धर्मध्वज की स्थापना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि डोल आश्रम ने उत्तराखंड की संस्कृति और पर्यटन को नई पहचान दी है।

मुख्यमंत्री ने पहलगाम हमले पर दुःख प्रकट करते हुए कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षाबलों ने इस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया है।

## सीबीएसई परिणाम

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड– सीबीएसई ने कक्षा 12वीं के नतीजे घोषित कर दिए हैं। इस वर्ष कक्षा 12 में 88 दशमलव 3–9 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण घोषित किए गये हैं। पिछले साल की तुलना में इस वर्ष पासिंग प्रतिशत में शून्य दशमलव 4–1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में सफल सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों के परिश्रम, समर्पण और दृढ़ निश्चय का प्रतिफल है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने कहा कि छात्र–छात्राएं हमारे राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं।

## गढ़वाली भाषा

गढ़वाली भाषा के संरक्षण, संवर्द्धन को लेकर ''हजार ग्राम हजार धाम, हमारी भाषा हमारी पहचान'' के नारे को लेकर गढ़वाली में पजल विधा यानि गढ़वाली पहेली के वरिष्ठ लेखक जगमोहन सिंह रावत जगमोरा के नेतृत्व में एक यात्रा शुरू की गई। दरअसल गढ़वाली भाषा के लेखकों के एक दल द्वारा सीमांत गांव माणा से गढ़वाली भाषा और साहित्य गोष्ठियों से परिपूर्ण इस यात्रा को शुरु किया गया है। माणा गांव से शुरू हुई यह साहित्यिक यात्रा बिरही, गोपेश्वर ,नारायणबगड़, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गौचर और रुद्रप्रयाग होते हुए अपने सातवें पड़ाव पौड़ी जिले के राजकीय इंटर कॉलेज खण्डाह पहुंची, जहां गढ़वाली भाषा पर केन्द्रित एक साहित्यिक गोष्ठी आयोजित की गई।